ग्रीन डे-अहेड मार्केट

प्रलिम्सि के लिये:

इंडियिन एनर्जी एक्सचेंज, डे-अहेड मार्केट, टर्म-अहेड मार्केट

मेन्स के लिये:

भारतीय ऊर्जा बाज़ार में ग्रीन डे-अहेड मार्केट की प्रासंगकिता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय मंत्री (विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा) ने '**इंडियिन एनर्जी एक्सचेंज**' के अंतर्गत एक नया बाज़ार खंड 'ग्रीन डे-अहेड मार्केट' (GDAM) लॉन्च किया है।

- भारत दुनिया का एकमात्र बड़ा विद्युत बाज़ार है, जिसने विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा हेतु 'ग्रीन डे अहेड मार्केट' (जीडीएएम) प्रारंभ किया है।

इंडियिन एनर्जी एक्सचेंज:

- इंडियिन एनर्जी एक्सचेंज भारत में पहला और सबसे बड़ा 'एनर्जी एक्सचेंज' है जो बिजिली की भौतिक डिलीवरी, नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र और ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र के लिये एक राष्ट्रव्यापी, स्वचालित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

डे-अहेड मार्केट (DAM):

- यह मध्यरात्रि से शुरू होने वाले अगले दिन के 24 घंटों में किसी भी/कुछ/पूरण समय के वितरण हेतु एक भौतिक बिजिली व्यापार बाज़ार है।

टर्म-अहेड मार्केट (TAM):

- TAM के तहत 11 दिनों की अवधि के लिये बिजिली खरीदने/बेचने हेतु अनुबंध किया जाता है।
- यह प्रतिभागियों को 'इंट्रा-डे' अनुबंधों के माध्यम से उसी दिन हेतु तथा 'डे-अहेड कांटजिंसी' के माध्यम से अगले दिन के लिये और इसी तरह दैनिक आधार पर दैनिक अनुबंधों के माध्यम से सात दिनों तक बिजिली खरीदने में सक्षम बनाता है।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - यह 'डे-अहेड' आधार पर नवीकरणीय ऊर्जा के व्यापार हेतु संचालित एक बाज़ार है।
  - नोडल एजेंसी के रूप में 'नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर' (NLDC), 'पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड' (POSOCO) ने GDAM के शुभारंभ के लिये अपेक्षित प्रौद्योगिकियों और बुनियादी ढाँचे की स्थापना की है।
  - GDAM के साथ कोई भी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन कंपनी एक्सचेंज पर नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना और बिक्री कर सकती है।
- **GDAM की कार्यविधि:**
  - यह पारंपरिक 'डे-अहेड मार्केट' के साथ एकीकृत तरीके से कार्य करेगा।
    - यह एक्सचेंज अलग-अलग 'बिडिंग विंडो' के माध्यम से बाज़ार सहभागियों के लिये पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा दोनों हेतु एक साथ बिडिंग का प्रावधान प्रस्तुत करेगा।
  - अगर बाज़ार सहभागियों की 'बिडिंग' क्षमता हरित बाज़ार में ही समाप्त हो जाती है फिर भी यह तंत्र नवीकरणीय ऊर्जा विक्रेताओं को पारंपरिक खंड के अंतर्गत बिडिंग की अनुमति देगा।
  - पारंपरिक और नवीकरणीय दोनों के लिये अलग-अलग मूल्य निर्धारित किये जाएंगे।

- **संभावति लाभ:**
  - **'ग्रीन मार्केट' को मज़बूती:**
    - यह 'ग्रीन मार्केट' को मज़बूती प्रदान करेगा और प्रतस्पिर्द्धी मूल्य सुनश्चिति करेगा, साथ ही यह बाज़ार सहभागियों को सबसे पारदर्शी, लचीले, प्रतस्पिर्द्धी और कुशल तरीके से 'ग्रीन ऊर्जा' में व्यापार करने का अवसर प्रदान करेगा।
  - **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि में तेज़ी लाना:**
    - यह नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों को बजिली वक्रिय के साथ-साथ एक स्थायी एवं कुशल ऊर्जा अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के दृष्टकिोण के प्रति नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि में तेज़ी लाने हेतु एक और वकिल्प प्रदान करेगा।
    - वतिरण कंपनियाँ अपने क्षेत्र में उत्पादति अधशिष नवीकरणीय ऊर्जा को बेचने में भी सक्षम होंगी।
  - **PPA आधारति अनुबंध मॉडल से बाज़ार आधारति मॉडल में रूपांतरण:**
    - यह एक 'डोमनिो इफेक्ट' उत्पन्न करेगा, जो धीरे-धीरे बजिली खरीद समझौतों (PPAs) आधारति अनुबंधों से बाज़ार-आधारति मॉडल में रुपांतरण की ओर ले जाएगा।
      - यह वर्ष 2030 तक 450 GW हरति ऊर्जा क्षमता के अपने महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने हेतु भारत के लयि मार्ग प्रशस्त करेगा।
  - **हरति ऊर्जा की कटौती में कमी:**
    - यह हरति ऊर्जा की कटौती को कम करेगा, अप्रयुक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को अनलॉक करेगा और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों को तत्काल भुगतान सुनश्चिति करेगा।
- **भारत में नवीकरणीय ऊर्जा:**
  - भारत वशि्व का तीसरा सबसे बड़ा बजिली उपभोक्ता है और नवीकरणीय स्रोतों से वर्ष 2020 में कुल स्थापति ऊर्जा क्षमता का 38% (373 GW में से 136 GW) के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक भी है।
  - वर्ष 2016 में **पेरसि समझौते** के तहत भारत ने वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 450 GW या अपनी कुल बजिली का 40% उत्पादन करने की प्रतबिद्धता जताई।
    - GDAM को ऐसे समय में प्रस्तुत कयिा गया है, जब देश **कोयले की कमी** से जूझ रहा है।
    - देश को जीवाश्म ईंधन के आयातति स्रोतों पर अपनी नर्भिरता कम करने की ज़रूरत है।
- **संबंधति पहलें:**
  - राष्ट्रीय सौर मशिन (NSM)
  - राष्ट्रीय जैव ईंधन नीतिऔर SATAT
  - लघु जल वदि्युत (SHP)
  - राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मशिन (NHEM)
  - उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना
  - राष्ट्रीय जैव ईंधन नीतिऔर SAYAY

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/green-day-ahead-market